



बिहार राज्य के कृषकों का श्रीअन्न उत्पादन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रसार निदेशालय, शुआट्स प्रयागराज जनपद मधेपुरा, बिहार राज्य के समितित 40 कृषकों का शब्द मिशन ऑन एग्रीकल्चर का निराकरण किया जा सकता है जबकि कंगनी कंसररोधी खाद्य पदार्थ के रूप में प्रचलित है इस प्रकार सावां में पावन रेशों की मात्रा अधिक होती है जिससे पेट संबंधित शूआट्स विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूँ की प्रजातियाँ ए.ए.आई.डब्ल्यू-6 ए.ए.आई.डब्ल्यू-10 ए.ए.आई.डब्ल्यू-13 प्रजातियों की विशेषता से प्रशिक्षण समन्वयक डा0 मनीष कुमार केसरवानी ने तकनीकी श्रीअन्न प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार कर उसके विपणन की तकनीकी जानकारी प्रदान की और कहा कि



एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत पाच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 08-09-2024 को प्रसार निदेशालय में सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रसार डा0 प्रवीण चरन ने कृषकों को श्रीअन्न उत्पादन एवं उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि श्री अन्न की खेती कम पानी उपलब्ध होने पर भी सफलतापूर्वक की जा सकती है। इसमें रोग एवं कीड़ों के लगने की संभावना भी अत्यन्त कम होती है साथ ही इसमें अधिक निवेश की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर किसान श्रीअन्न की खेती में कवल ज्वार एवं बाजरा का उत्पादन करते हैं लेकिन अन्य फसले जैसे कोदो, रायी, कंगनी, सावां आदि श्रीअन्न फसलों की खेती परभी कृषकों को अपना ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि रागी कॅल्शियम तत्व से परिपूर्ण होती है जिसके सेवन से हड्डी संबंधित विकारों विकारों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की श्रीअन्न फसलों के प्रोत्साहन सम्बन्धित योजनायें चल रही हैं जिसका लाभ कृषकों को अवश्य लेना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता कर रही विश्वविद्यालय की निदेशक विकास डा0 रीतू प्रकाश दूबे ने कृषकों के सम्बन्धित श्रीअन्न की महत्त्व पर चर्चा करते हुए कहा कि श्रीअन्न चमत्कारी धान्य के रूप में स्वीकार किया जाता है। लोगों में खान-पान की आदतों में परिवर्तन, व्यंजन बनाने में असुविधा आदि के कारण भारत में इनका प्रयोग कम हो रहा है। श्रीअन्न के अनुप्रयोग हेतु जागरूकता अभियानों स्वास्थ्य के प्रति सचेत होते उपभोक्तों शहरों में पौष्टिक खाद्य की माग तथा इनासे मूल्य-वर्धित उत्पाद बनाने हेतु प्रौद्योगिकियों की आपूर्ति के द्वारा इनकी मांग को बढ़ाया जा सकता है। प्रसार निदेशालय के संयुक्त निदेशक डा0 ए0के0 चौरसिया ने अवगत कराया तथा गेहूँ के बीज उत्पादन एवं प्रबंधन की जानकारी प्रदान की। प्रसार निदेशालय के समन्वयक डा0 अरुण कुमार यादव ने प्राकृतिक खेती पर चर्चा करते हुए कहा कि कम लागत प्राकृतिक खेती के सिद्धान्तों के अनुसार जीवामृत एवं घनजीवामृत प्रकार की खाद तैयार की जाती है तथा इस पद्धति से एक देशी गाय से तीस एकड़ की भूमि में खेती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती द्वारा न सिर्फ लागत में कमी आती है अपितु गुणवात्तायुक्त फसल उत्पाद भी प्राप्त होता है। इस अवसर पर प्रसार निदेशालय की महिला उत्प्रेरक श्रीमती मीना नेथन ने उपस्थित कृषकों को श्रीअन्न की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक जानकारी प्रदान करते हुए कृषकों से रागी के उत्पाद जैसे लड्डू और हलुवा गृह एवं व्यवसायिक स्तर पर तैयार करने की जानकारी प्रदान की तथा प्रशिक्षणार्थी कृषकों ने अपने हाथों से इन उत्पादों को तैयार करने का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया। सरकार द्वारा चलायी गयी पी.एम.एफ.ई. योजना के अन्तर्गत प्रसंस्कृत उत्पादों की इकाई कृषकों द्वारा लगाने पर मशीनरी खरीदने पर 36 प्रतिशत का अनुदान अनुमन्य है जिससे कृषक उद्यमशीलता द्वारा अर्थिक रूप से उन्नत हो सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक डा0 रीतू प्रकाश दूबे निदेशक प्रसार ने प्रशिक्षण में प्रतिभागी कृषकों को प्रमाण-पत्र एवं प्रशिक्षण साहित्य का वितरण किया। उन्होंने कृषकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डा0 मदन सेन सिंह, श्रीमती मीना नेथन आदि वैज्ञानिक उपस्थित थे। अंत में प्रशिक्षण समन्वयक डा0 मनीष कुमार केसरवानी के द्वारा मुख्य अतिथि एवं कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

आधुनिक गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894, 9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज



INVEST IN INDIA'S FIRST SMART CITY DHOLERA SIR

INVESTMENT START FROM 7,00,000/- Lac

GREAT CHANCE TO BOOK YOUR PLOT

96 67 77 89 47 T & C APPLY

Great Investment Opportunity in India's First Smart City DHOLERA SIR

Don't Think About it's Current Value Think About it's Future Value

OPTIONS: Premium Plots, LAND, Residential, Industrial, Commercial

96 67 77 89 47 Most Reliable Developer in Dholera SIR

Investment Start From 7 Lac

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE

URGENT REQUIREMENT

TRAINED & EXPERIENCED TEACHERS FOR CLASSES VI to XII

SUBJECTS - ENGLISH, MATHS, S.ST, SCIENCE & COMPUTER

RESIDENCE FACILITY ALSO AVAILABLE FOR TEACHERS

Walk in Interview on 23-06-2024

Interested Candidates can send their Resume on the given contacts

Candidate should hold fluent English Communication Skill along with the qualified degrees

For more details Contact on: 7505561664, 9415017879